Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

ARJUN BATCH

CLASS 11th | GEOGRAPHY

अपवाह तंत्र

अध्याय-3 | भाग-10

एकदम BASIC से!



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?

1 प्रायद्वीपीय भारत की प्रमुख नदियाँ



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कृष्णा नदी

1401 km

- पूर्व दिशा में बहने वाली दूसरी बड़ी प्रायद्वीपीय नदी
- उद्गम – सह्याद्रि में महाबलेश्वर के निकट → महाराष्ट्र
- लंबाई – 1401 किलोमीटर



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

सहायक नदियाँ

कोयना

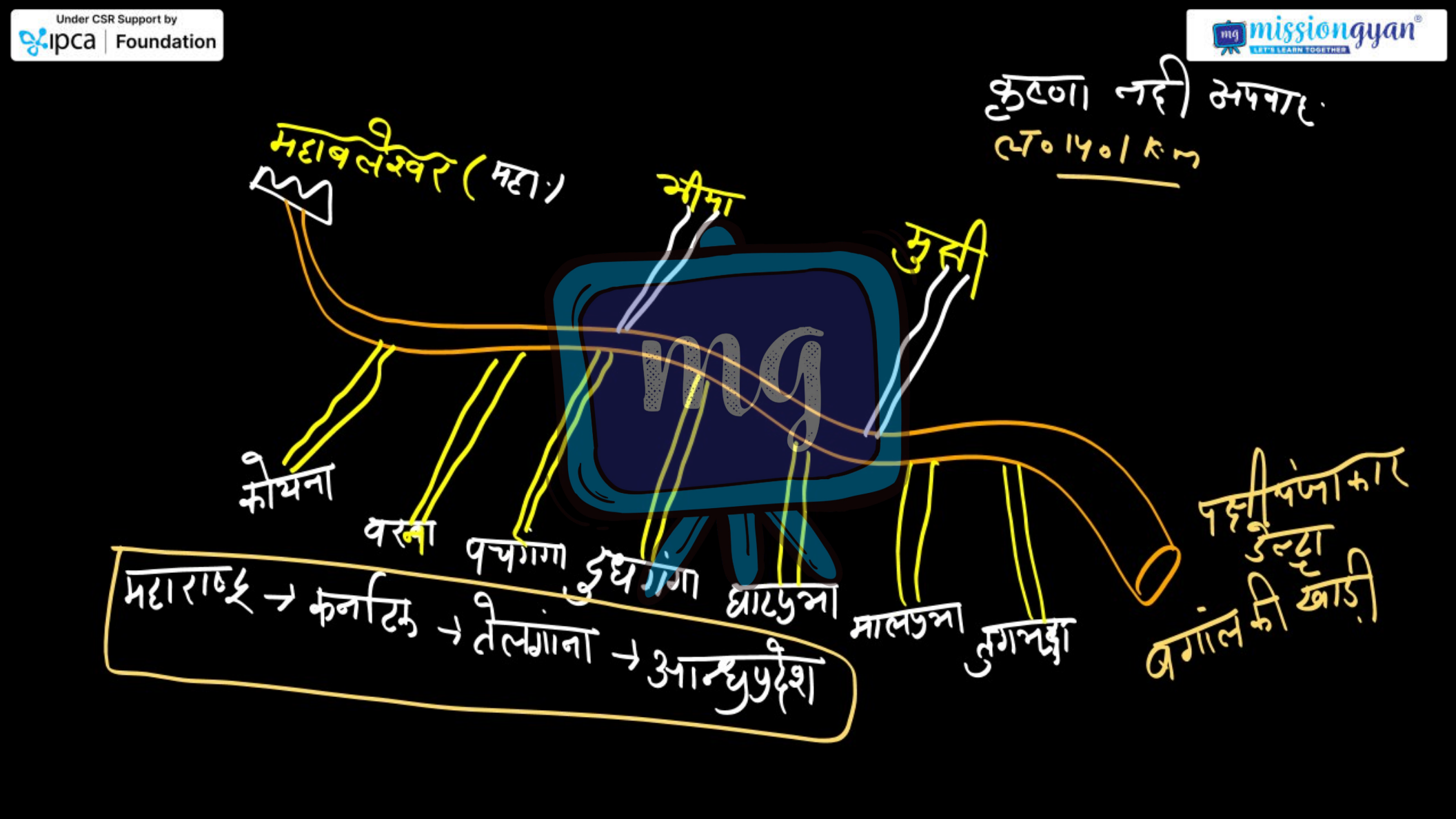
तुंगभद्रा

भीमा



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कावेरी नदी

- उद्गम – ब्रह्मगिरी पहाड़ियों (1,341 मीटर)
  - कोगाडु (कर्नाटक)
- लंबाई – 800 किलोमीटर
- अपवाहित क्षेत्र – 81,155 वर्ग किलोमीटर

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

नदी द्रोणी



41%भाग
कर्नाटक में

56% भाग
तमिलनाडु में

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

सहायक नदियाँ

काबीनी

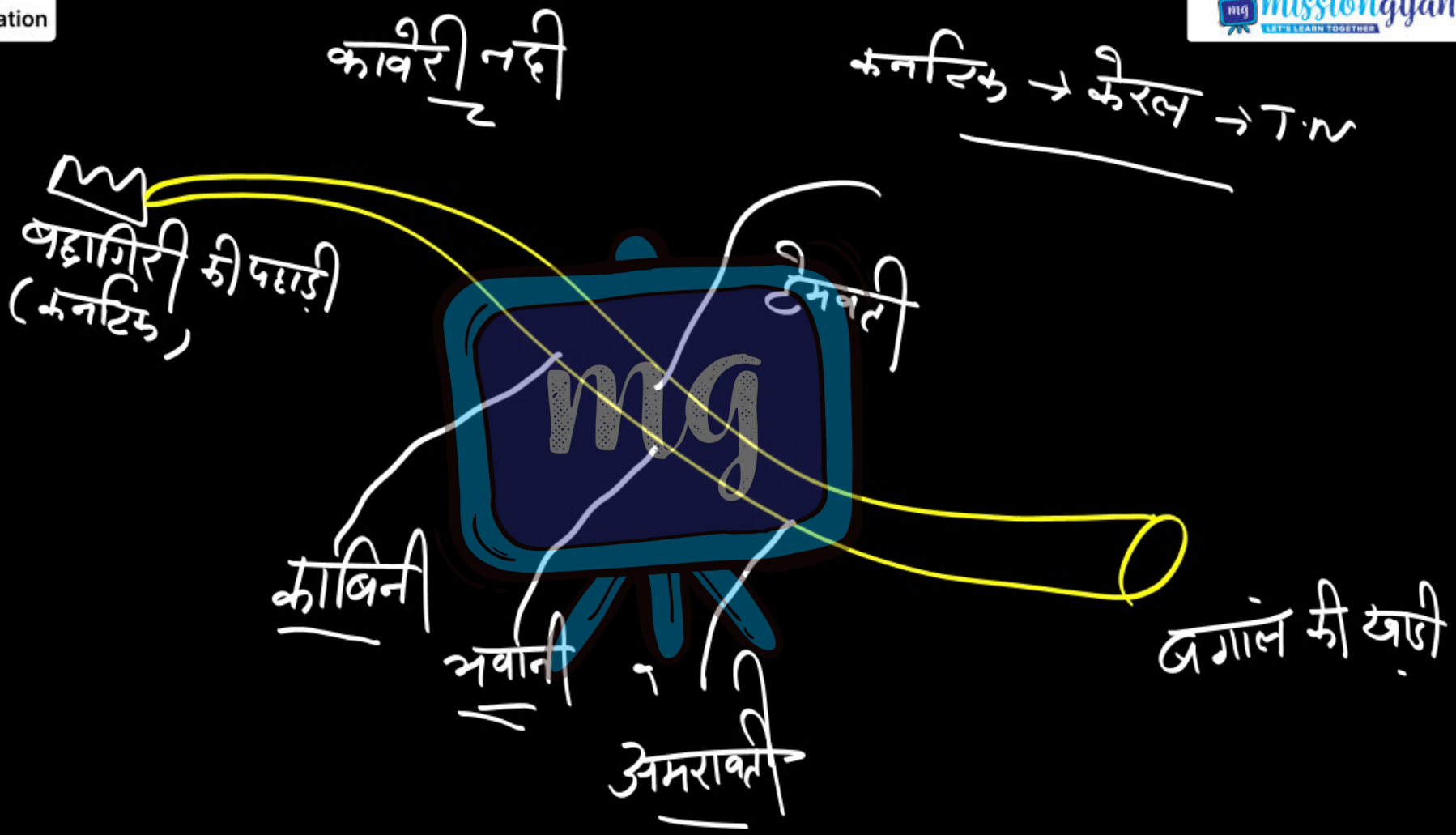
भवानी

अमरावती



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

नोट

कावेरी नदी लगभग सारा साल बहती है, क्योंकि इसके ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में दक्षिण-पश्चिम मानसून (गर्मी) से और निम्न क्षेत्रों में उत्तर-पूर्वी मानसून (सर्दी) से वर्षा होती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

नर्मदा नदी



- उद्गम – अमरकंटक पठार के पश्चिमी पार्श्व से लगभग 1,057 मीटर की ऊँचाई से
- प्रवाह क्षेत्र –
  - भ्रंश घाटी में
  - दक्षिण में सतपुड़ा
  - उत्तर में विंध्याचल
  - संगमरमर की चट्टानों में खूबसूरत महाखड्ड
  - जबलपुर के निकट धुआँधार जल प्रपात

Under CSR Support by
ipca | Foundation

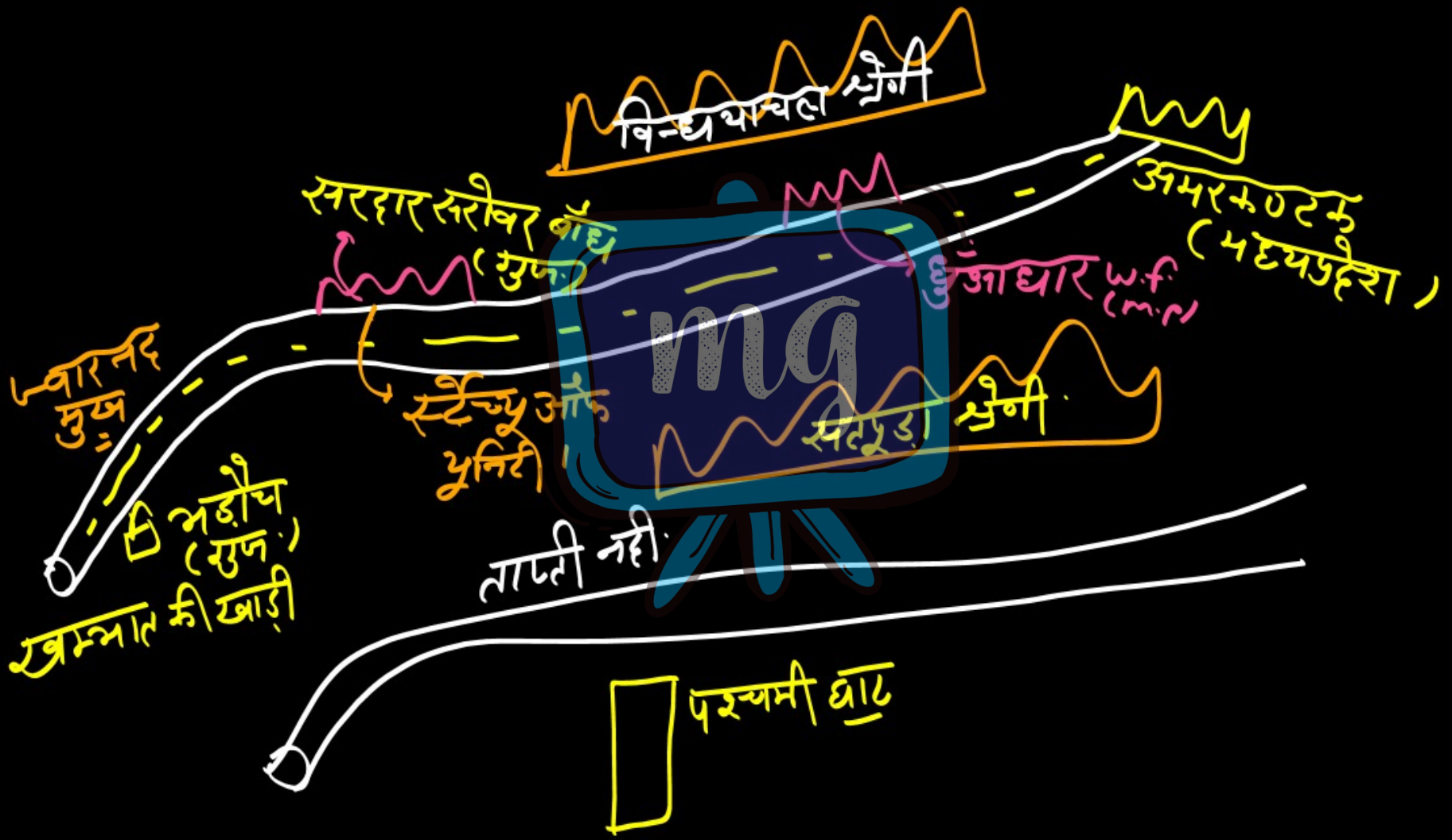
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- लंबाई – 1312 किलोमीटर
- ज्वारनदमुख – 27 किलोमीटर लंबा
- भड़ौच के दक्षिण में अरब सागर में विलय



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- परियोजना – सरदार सरोवर परियोजना (गुज.)
- नर्मदा नदी के संरक्षण के लिए प्रारंभ योजना – नमामि देवि नर्मदे : एक यात्रा → ओळखा



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

तापी नदी



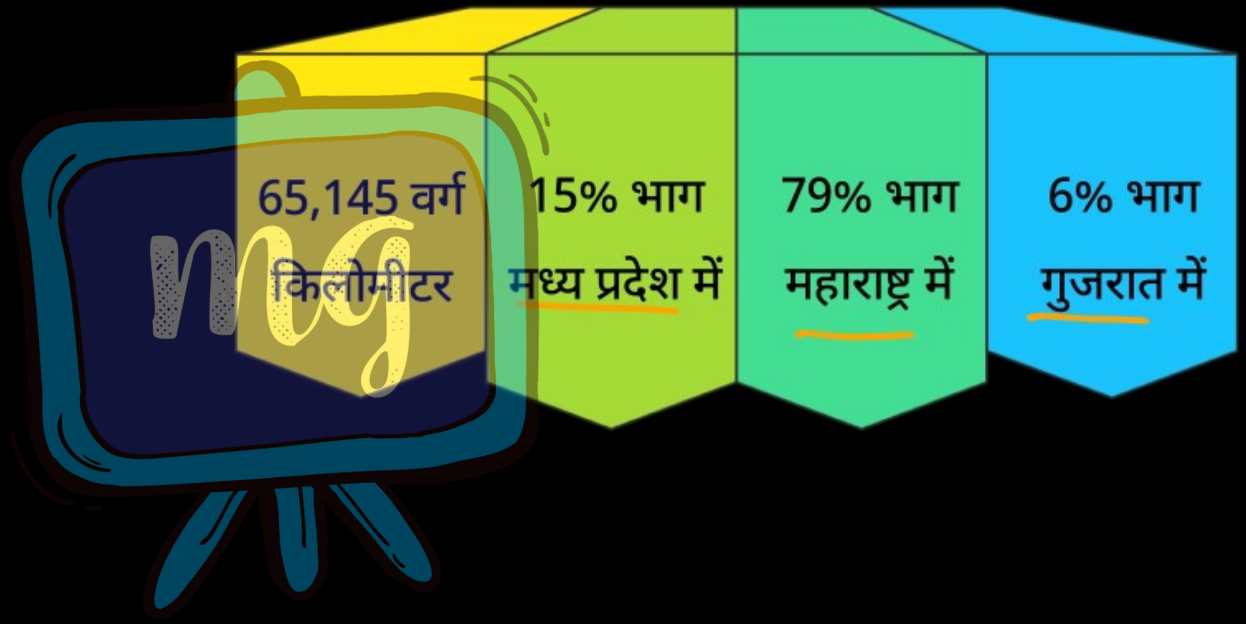
उद्गम – मुलताई
(बैतूल, मध्य प्रदेश)

लंबाई
724 किलोमीटर

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अपवाहित क्षेत्र



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अल्पकालिक नदी-तंत्र



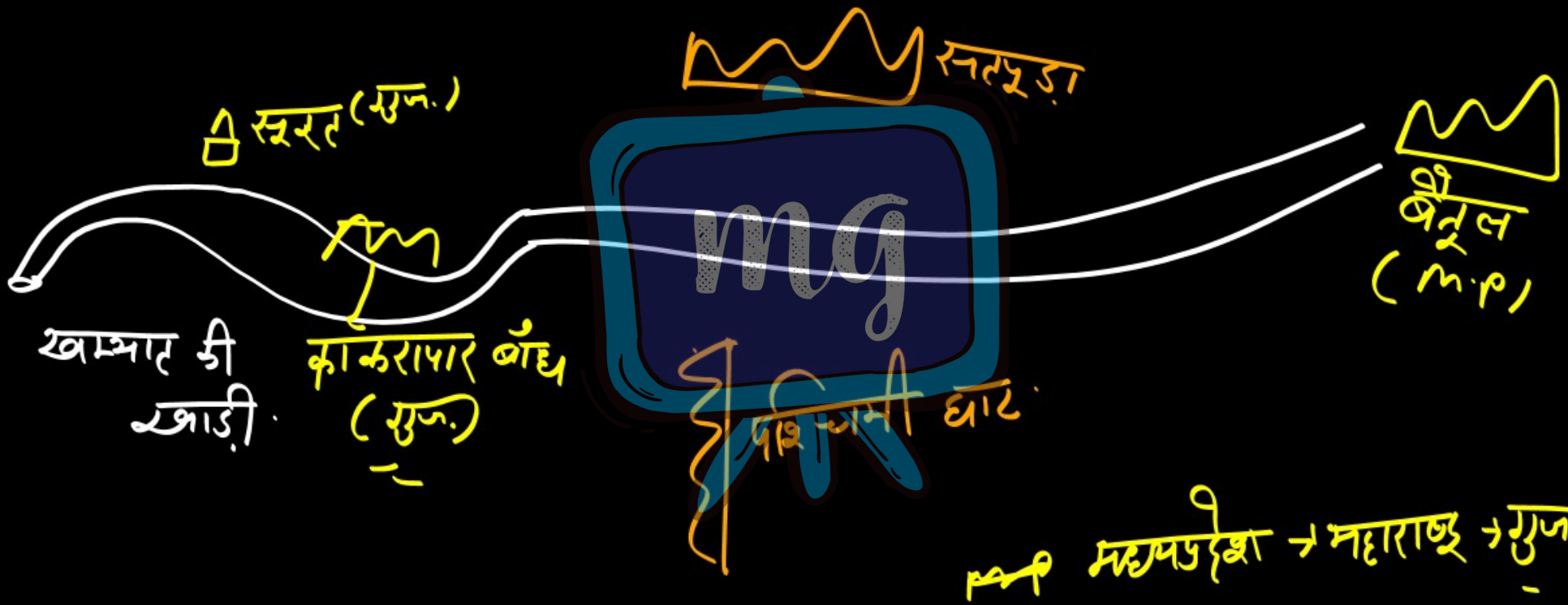
- लूनी नदी
- पुष्कर के समीप (अजमेर)
- सरस्वती + सागरमती = लूनी नदी (गोबिंदगढ़ के निकट)

नोट

- तलवाड़ा तक पश्चिम दिशा में बहती है, तत्पश्चात् दक्षिण-पश्चिम दिशा में बहती हुई कच्छ के रन में जा मिलती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

नदी जल उपयोग की सीमा



जल उपलब्धता की समस्या या इसके प्रबंधन में कमी

- नदियाँ प्रतिवर्ष जल की विशाल मात्रा का वहन
- समय व स्थान की दृष्टि से इसका वितरण समान नहीं है
- बारहमासी नदियाँ वर्ष भर जल का वहन
- अनित्यवाही नदियों में शुष्क ऋतु में बहुत कम जल
- वर्षा ऋतु में, अधिकांश जल बाढ़ में व्यर्थ और समुद्र में बह जाता
- जब देश के एक भाग में बाढ़ होती है तो दूसरा सूखाग्रस्त

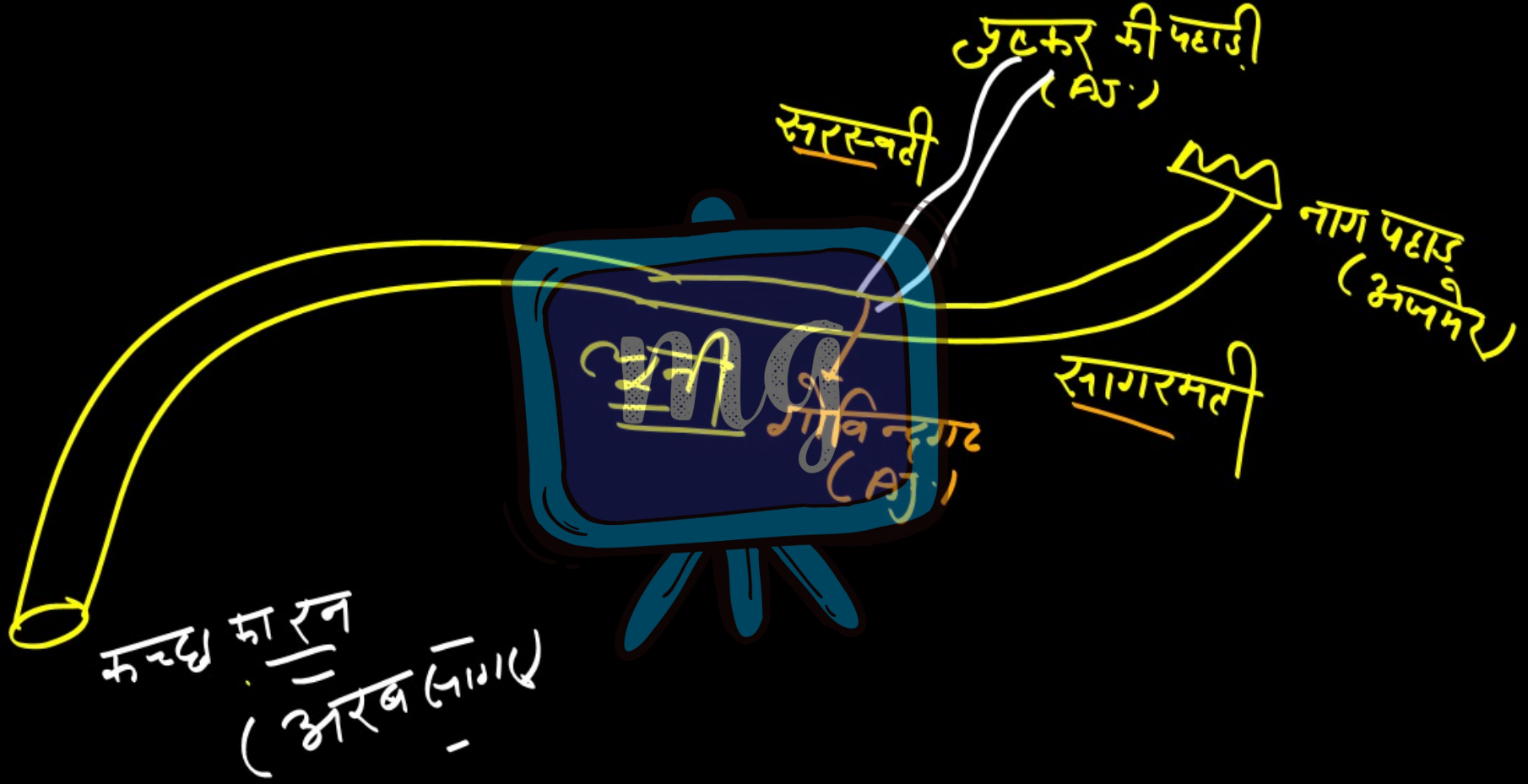
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



नदी जल उपयोग से संबंधित समस्याएँ

i. पर्याप्त मात्रा में जल उपलब्ध न होना

ii. नदी जल प्रदूषण

iii. नदी जल में गाद

iv. ऋतुवन जल का असमान प्रवाह

v. राज्यों के बीच नदी जल विवाद

vi. मध्य धारा की ओर बस्तियों के विस्तार के कारण नदी वाहिकाओं का सिकुड़ना

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



नदियाँ प्रदूषित

- शहरों के गंदे पानी को नदियों में गिरते
- औद्योगिक कूड़ा-करकट कहाँ डाला
- बहुत से श्मशान घाट नदी किनारे हैं
- कई बार मृत शरीरों को नदियों में डाल दिया
- कुछ त्योहारों पर फूलों और मूर्तियों को नदियों में
- बड़े पैमाने पर स्नान व कपड़े धोना

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

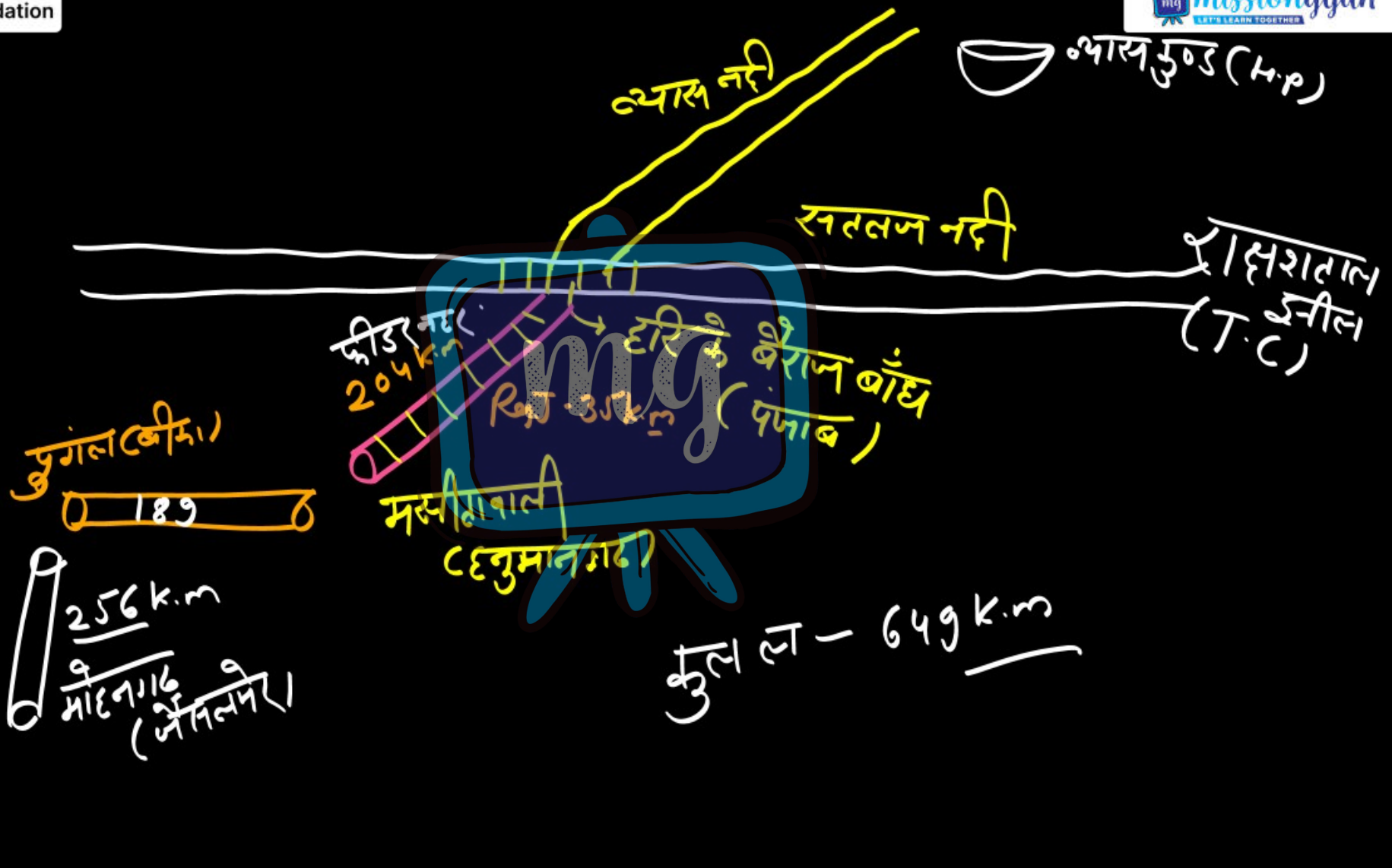


इंदिरा गांधी नहर परियोजना

- **उद्गम :** हरिके बैराज
  (हरिके में सतलुज और व्यास नदियों के संगम के पास)
- **लंबाई :** लगभग 650 किलोमीटर (204 किमी इंदिरा गांधी फीडर नहर + 445 किमी इंदिरा गांधी मुख्य नहर)
- **उद्देश्य :** सिंचाई और पेयजल
- **लाभान्वित राज्य :** राजस्थान

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कुरनूल-कडप्पा नहर

- भारत के आंध्र प्रदेश में एक प्रमुख सिंचाई नहर प्रणाली है, जिसका निर्माण 1863 और 1870 के बीच
- यह नहर कुरनूल और कडप्पा जिलों के कुछ हिस्सों सहित एक बड़े क्षेत्र की सिंचाई करती है।

फसल : सिंचित क्षेत्र में उगाई जाने वाली सामान्य फसलों में गन्ना और धान शामिल हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



अभ्यास प्रश्न

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

बहुवैकल्पिक प्रश्न

1. (i) निम्नलिखित में से कौन-सी नदी 'बंगाल का शोक' के नाम से जानी जाती थी?

अ गंडक

ब सोन

स कोसी (बिहार)

द दामोदर

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. (ii) निम्नलिखित में से किस नदी की द्रोणी भारत में सबसे बड़ी है?

अ सिंधु

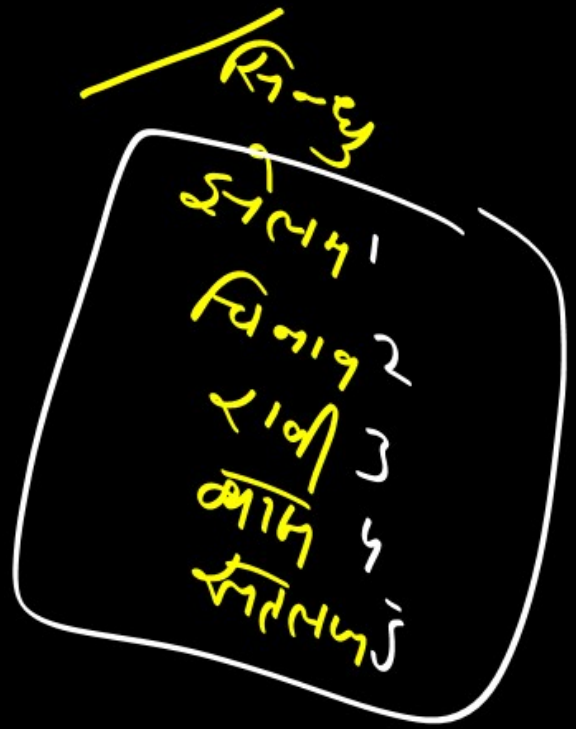
ब गंगा

स ब्रह्मपुत्र

द कृष्णा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. (iii) निम्नलिखित में से कौन-सी नदी पंचनद में शामिल नहीं है?

अ रावी

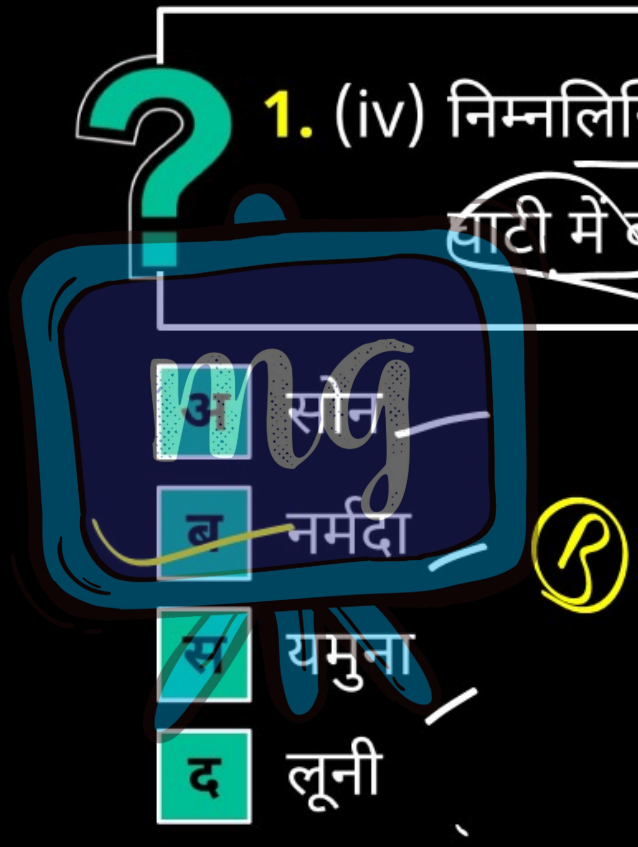
ब चेनाब

स सिंधु

द झेलम

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. (iv) निम्नलिखित में से कौन-सी नदी भ्रंश घाटी में बहती है?

अ सोन

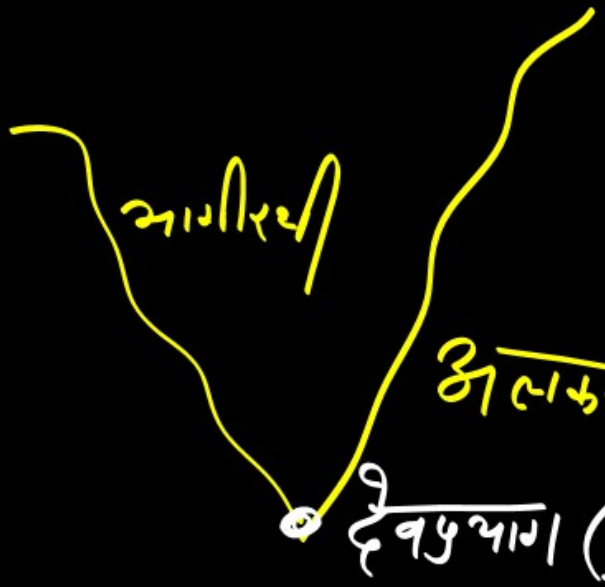
ब नर्मदा

स यमुना

द लूनी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. (v) निम्नलिखित में से कौन-सा अलकनंदा व भागीरथी का संगम स्थल है?

अ विष्णु प्रयाग → धौलीगंगा

ब रूद्र प्रयाग → मन्दाकिनी

स कर्ण प्रयाग → पिंडारी

द देव प्रयाग

(5)

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

निम्न में अंतर स्पष्ट करें :

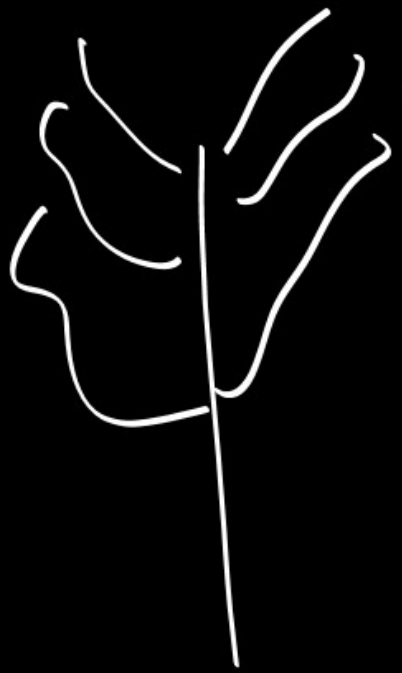
2. (i) निम्न में अंतर स्पष्ट करें :

उत्तर :

नदी द्रोणी	जल संभर
बड़ी नदियों के जल-ग्रहण क्षेत्र को नदी द्रोणी कहा जाता है।	छोटी नदियों या नालों द्वारा अपवाहित क्षेत्र को जलसंभर कहा जाता है।
नदी द्रोणी का आकार बड़ा होता है।	जल संभर का आकार छोटा होता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



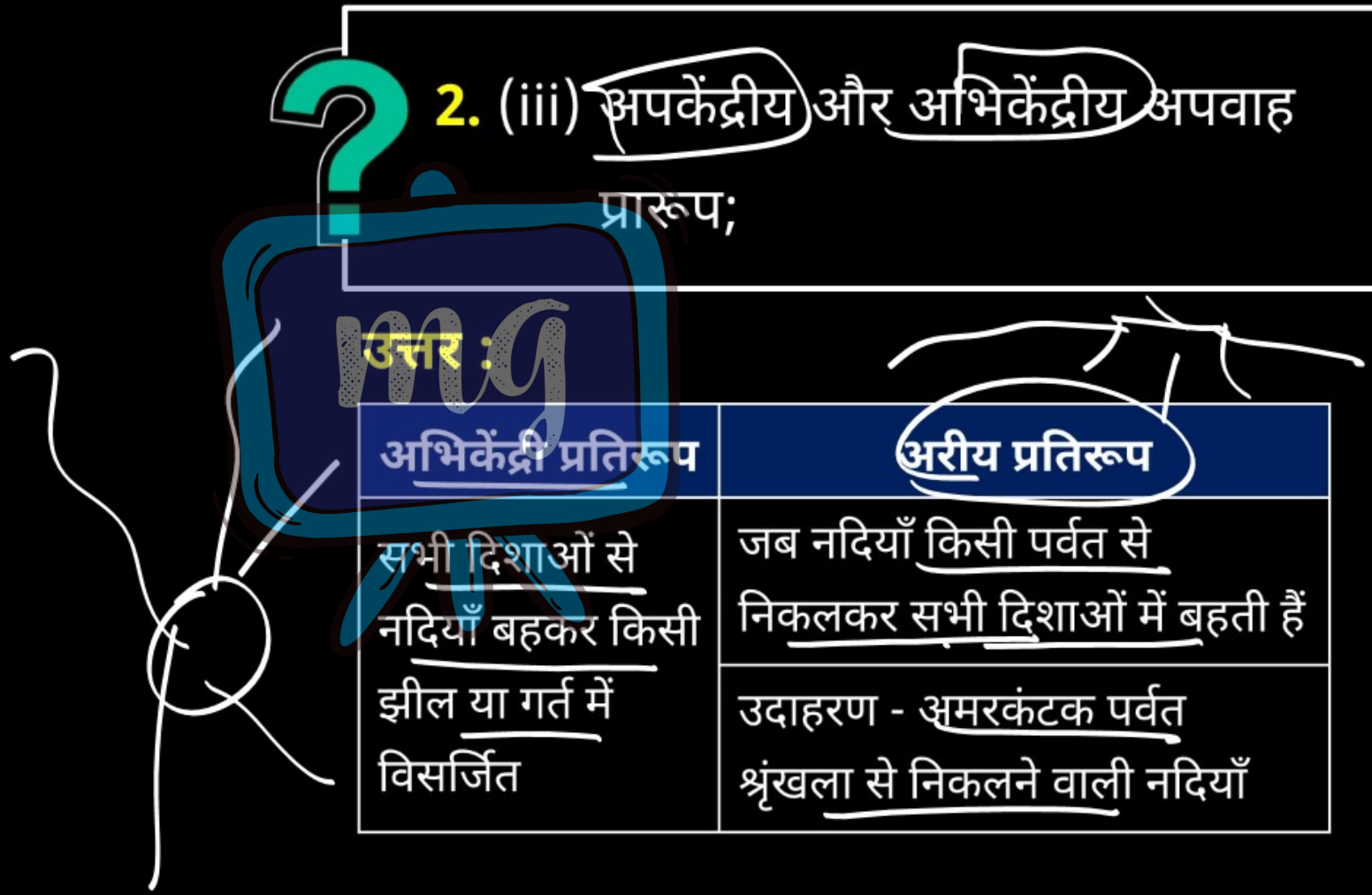
2. (ii) वृक्षाकार और जालीनुमा अपवाह प्रारूप

उत्तर :

वृक्षाकार प्रतिरूप	जालीनुमा अपवाह प्रतिरूप
जो अपवाह प्रतिरूप पेड़ की शाखाओं के अनुरूप हो	मुख्य नदियाँ एक-दूसरे के समांतर बहती हों
उदाहरण – उत्तरी मैदान की नदियाँ।	सहायक नदियाँ उनसे समकोण पर मिलती हों

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



2. (iii) अपकेंद्रीय और अभिकेंद्रीय अपवाह प्रारूप;

उत्तर :

अभिकेंद्री प्रतिरूप	अरीय प्रतिरूप
सभी दिशाओं से नदियाँ बहकर किसी झील या गर्त में विसर्जित	जब नदियाँ किसी पर्वत से निकलकर सभी दिशाओं में बहती हैं
	उदाहरण - अमरकंटक पर्वत श्रृंखला से निकलने वाली नदियाँ

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2. (iv) डेल्टा और ज्वारनदमुख।

उत्तर :

डेल्टा	ज्वारनदमुख
नदी अपने मुहाने पर कई उपनदियों या जल वितरिकाओं में विभाजित हो जाती है।	नदी अपने मुहाने पर जलवितरिकाओं में विभाजित न होकर सिर्फ गहरी घाटी बनाती है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

डेल्टा	ज्वारनदमुख
नदी कई भागों में बहने लगती है और उसका आकार त्रिभुजाकार हो जाता है।	नदी तेज गति से बहकर मुहाने को साफ रखती है, इसलिए इसका कोई स्वरूप नहीं बनता।
मंद गति से बहने के कारण नदी मुहाने पर मलबा जमा रहता है।	तेज गति से बहने के कारण नदी का मुहाना साफ।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में दीजिए :

3. (i) भारत में नदियों को आपस में जोड़ने के सामाजिक-आर्थिक लाभ क्या हैं?

उत्तर :

- भारत में नदियों को आपस में जोड़ने से देश के विभिन्न भागों में आने वाली बाढ़ों तथा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- भीषण सूखे के प्रभावों को काफी कम किया जा सकता है।
- इससे देश में जल का समुचित प्रबन्धन होगा।
- कृषि उत्पादन में वृद्धि होने से सामाजिक-आर्थिक समृद्धि की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है।
- आन्तरिक जल परिवहन का भी विकास होगा।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



3. (ii) प्रायद्वीपीय नदी के तीन लक्षण लिखें।

उत्तर :

- ये एक सुनिश्चित मार्ग पर चलती हैं।
- विसर्प नहीं बनातीं हैं।
- ये बारहमासी नहीं हैं, यद्यपि भ्रंश घाटियों में बहने वाली नर्मदा और तापी इसका अपवाद है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 125 शब्दों में दीजिए :

4. (i) उत्तर भारतीय नदियों की महत्त्वपूर्ण विशेषताएँ क्या हैं? ये प्रायद्वीपीय नदियों से किस प्रकार भिन्न हैं?

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर :

उत्तर भारतीय नदियों की महत्त्वपूर्ण विशेषताएँ

- उत्तर भारत की अधिकांश नदियाँ हिमालय से निकलती हैं , इसलिए अधिकांशतः नदियों में सालों भर पानी रहता है।
- कुछ नदियाँ पठारी भागों से निकलती हैं जो गर्मी के दिनों में सूख जाती हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- उत्तर भारत की नदियाँ अधिकांशतः मैदानी भागों में बहती हैं, जिसके कारण इन नदियों से नहरें निकाली जा सकती हैं।
- उत्तर भारत की अधिकांशतः नदियाँ गंगा, सिंधु और ब्रह्मपुत्र की सहायक नदियाँ हैं।
- सिंधु नदी अरब सागर में और गंगा तथा ब्रह्मपुत्र बंगाल की खाड़ी में गिरती हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

दक्षिण भारत की नदियाँ उत्तर भारत की नदियों से भिन्न हैं क्योंकि

- दक्षिण भारत की नदियों में सालों भर पानी नहीं रहता
- ये नदियाँ समतल भागों में नही बहती हैं।
- इन नदियों में न नावें चलाई जा सकती हैं, और न ही नहरें निकाली जा सकती हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- जबकि उत्तर भारत की नदियों की स्थिति ठीक इसके विपरीत है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

4. (ii) मान लीजिए आप हिमालय के गिरिपद के साथ-साथ हरिद्वार से सिलीगुड़ी तक यात्रा कर रहे हैं। इस मार्ग में आने वाली मुख्य नदियों के नाम बताएँ। इनमें से किसी एक नदी की विशेषताओं का भी वर्णन करें।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर :

- हिमालय के गिरिपद के साथ-साथ हरिद्वार से सिलीगुड़ी तक यात्रा करने पर इस मार्ग में आने वाली मुख्य नदियाँ –
- टोंस, गोमती, सरयू, रामगंगा, शारदा, गंडक, बुढ़ी गंडक, कमला, बागमती, कोसी, गंगा आदि ।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

रामगंगा नदी की विशेषताएँ

- उद्गम – गैरसेन के निकट गढ़वाल की पहाड़ियों से।
- शिवालिक को पार करने के बाद दक्षिण-पश्चिम दिशा की ओर बहती है।
- उत्तर प्रदेश में नजीबाबाद के निकट मैदान में प्रवेश।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- कन्नौज के निकट यह गंगा नदी में मिल जाती है।

शारदा या सरयू नदी की विशेषताएँ

- उद्गम – मिलाम हिमनद (नेपाल हिमालय)।
- इसे गौरीगंगा के नाम से जाना जाता है।
- भारत-नेपाल सीमा के साथ बहती हुई, जहाँ इसे काली या चाइक कहा जाता है।
- घाघरा नदी मे मिल जाती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

गंडक नदी की विशेषताएँ

- उद्गम – धौलागिरी व माऊंट एवरेस्ट के बीच (नेपाल हिमालय) कालीगंडक + त्रिशूलगंगा = गंडक नदी।
- मध्य नेपाल को अपवाहित करती है।
- बिहार के चंपारन जिले में यह गंगा मैदान में प्रवेश करती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- पटना के निकट सोनपुर में गंगा नदी में जा मिलती है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

